

न्यायालय : माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 12008 पुनरावलोकन - 1587-1/09

मोहम्मद शफीक पुत्र श्री हाकिम मोहम्मद अमीन,
आयु 58 वर्ष, निवासी शास्त्री वार्ड वीना, प्रभात
टाकीज के पास, वीना, तेहसील जिला सागर

----- आवेदक

विरुद्ध

- १) अजीज अहमद पुत्र सलील अहमद,
निवासी समस ई० एस० कालोनी, जवलपुर
हाल निवासी अटाला, इलाहबाद (यूपी०)
- २) श्रीमती लक्ष्मी पति याकूब सुली सलील अहमद,
निवासी अटाला अहमदाबाद यूपी०
- ३) कु० शबीना पुत्री सलील अहमद,
निवासी समस ई० एस० कालोनी, जवलपुर
मु०आम प्रमोदकुमार व्यास पुत्र श्री विष्णुप्रसाद
एडवोकेट, निवासी बीना, तेहसील वीना,
जिला सागर ---अनावेदकगण,
- ४) अफसरि बेगम पतिन मोहम्मद ईशाक,
निवासी खोती स्तना, तेहसील व जिला सतना
म०प्र० ---तरतीबी अनावेदक

पुनरावलोकन आवेदन पत्र जन्तर्गत धारा 40 म०प्र० मू-राजस्व
संहिता 1956 विरुद्ध आदेश दिनांकी 4-11-08 पारित
द्वारा श्री सुकौमल चन्द्र वर्धन, न्यायालय राजस्व मण्डल म०प्र०
ग्वालियर (प्रशासकीय सदस्य) वरुनवान अजीज मो० अहमद
आदि वनाम मोहम्मद शफीक आदि म० क्र० 1587-1/08
निगरानी ।

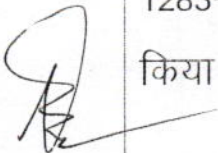
श्री एस० ए० श्रीवास्तव - एडवोकेट
23-11-09 को प्रस्तुत ।
श्रीवत्सल
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

श्री सुधीर
23/11/09

Handwritten mark/signature

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर

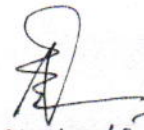
स्थान तथा दिनांक	प्रकरण क्रमांक ^{रिव्यु} विद्वान 1587—एक/09	अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ कार्यवाही तथा आदेश	जिला —सागर	पक्षकारों एवं अभिमा आदि के हस्ताक्षर
10.12.15	<p>यह रिव्यु प्रकरण क्रमांक 1587—एक/09 राजस्व मण्डल के निगरानी प्रकरण क्रमांक 1283—दो/06 में पारित आदेश दिनांक 5.11.09 के विरुद्ध इस न्यायालय में दायर हुआ है।</p> <p>2— प्रकरण का सारांश पूर्व के राजस्व मण्डल के आदेश में विद्यमान है, अतः उसे दोहराया नहीं जा रहा है, उभयपक्ष अधिवक्ताओं को तर्क हेतु अवसर दिया गया। रिव्युकर्ता के विद्वान अधिवक्ता ने रिव्यु में के आधार पर तथा प्रतिपक्ष के विद्वान अधिवक्ता ने उनके प्रस्तुत व्यवहार वाद निर्णय दिनांक 4.8.14 के प्रकण में आदेश पारित करने हेतु निवेदन किया।</p> <p>मेरे द्वारा संबंधित अभिलेखों का पश्चीलन कर रिव्यु से संबंधित बिन्दुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार किया गया। रिव्यु दायर करने के मुख्य आधार ये लिये गये हैं कि राजस्व मण्डल द्वारा दिनांक 21.7.06 को पूर्व निगरानी प्रकरण क्रमांक 1283—दो/06 में यथास्थिति का आदेश दिये जाने के बावजूद तहसील न्यायालय द्वारा दिनांक 16.3.09 को नामांतरण आदेश पारित करना अनुचित है। विचारोपरांत मैं यह पाता हूँ कि चूंकि राजस्व मण्डल द्वारा संबंधित निगरानी प्रकरण क्रमांक 1283—दो/06 में अंतिम आदेश दिनांक 5.11.09 को पारित किया गया है, अतः रिव्युकर्ता के पास तहसीलदार के आदेश</p>			




दिनांक 16.3.09 एवं राजस्व मण्डल आदेश दिनांक 5.11.09 के मध्य राजस्व मण्डल के समक्ष यह बिन्दु उठाने के लिये पर्याप्त समय एवं अवसर उपलब्ध था, किन्तु उनके द्वारा तब यह बिन्दु नहीं उठाकर राजस्व मण्डल के आदेश के बाद रिव्यु का आधार बनाते हुये उठाया गया है। इसके अतिरिक्त राजस्व मण्डल द्वारा आक्षेपित आदेश दिनांक 5.11.09 प्रकरण के गुण दोषों को विचार में लेकर विस्तृत विवेचना सहित एक स्पष्ट बोलते स्वरूप में पारित किया गया है।

प्रतिपक्ष अभिभाषक द्वारा व्यवहार वाद क्रमांक 72अ/2014 में पारित आदेश दिनांक 4.8.14 का संदर्भ लिया गया है। इस आदेश के पृष्ठ 10 (एवं अन्य भागों में भी) वाद बिन्दु निर्धारित कर उन पर निष्कर्ष निकाले गये हैं जिनके अनुसार वाद सम्पत्ती के (खसरा न0 408/ 3.642 है0 एवं 412/1.441 है0) के संबंध में रिव्युकर्ता के दावों को खारिज कर प्रतिपक्षकारों के दावों को मान्य किया गया है।

3- उपरोक्त तथ्यों एवं विवेचना के प्रकलन में मैं रिव्युकर्ता का दावा स्वीकार किये जाने योग्य नहीं पाता हूँ एवं यह रिव्यु प्रकरण खारिज कर राजस्व मण्डल का आक्षेपित आदेश दिनांक 5.11.09 यथावत रखता हूँ। आदेश पारित। पक्षकार सूचित हों। अभिलेख वापस भेजा जावे। प्रकरण दा0 द0 हो।


10/12/15
सदस्य

